बाल स्वच्छता मिशन

प्रस्तावना

- बाल स्वच्छता मिशन 14 नवंबर, 2014 को शुरू किया था जिसका उद्देश्य स्वच्छ भारत अभियान की मदद करना है।
- समेकित बाल विकास सेवा में, आंगनवाड़ी केंद्र में तथा आसपास स्वच्छता एक महत्वपूर्ण घटक है क्योंकि यह ऐसा केंद्र है जहां 6 साल से कम आयु के बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं को स्वास्थ्य एवं पोषण सेवाएं प्रदान की जाती हैं। इस समूह को संक्रमण का खतरा भी अधिक रहता है और इसलिए उपरोक्त लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित तंत्र स्थापित करने की जरूरत है:

1 स्वच्छ आंगनवाड़ियां

- आंगनवाड़ी केंद्र का भवन पलस्तर किया हुआ होना चाहिए, टाइल लगी हो या पत्थर बिछा हो।
- आंगनवाड़ी केंद्र के परिसर में प्रकाश एवं हवा–संचार की पर्याप्त व्यवस्था होनी चाहिए।
- दरारों, खुरदरी सतहों, खुले जोड़ों आदि की यथासंभव शीघ्रता से मरम्मत होनी चाहिए तथा नियमित रूप से निरीक्षण करना चाहिए।
- छतों एवं दीवारों से मकड़ी के जालों को नियमित रूप से हटाना सुनिश्चित किया जाना चाहिए।
- दरी एवं चटाई के साथ ही फर्श की प्रतिदिन सफाई होनी चाहिए।
- सुराख, नाले तथा अन्य स्थान जहां रोगाणुओं के पहुंचने की संभावना होती हो, को बंद करना चाहिए।

2 स्वच्छ परिवेश

- आंगनवाड़ी के कचरे को किसी ढकी कचरा पेटी में एकत्र करके कंपोस्ट पिट में निस्तारित करना चाहिए।
- अपशिष्ट/जूठन का आवधिक निस्तारण अनिवार्य होना चाहिए तथा कचरा पेटी को हर रोज खाली करके प्रयोग से पहले किसी कीटाणुनाशक से धोना और सुखाना चाहिए।
- आंगनवाड़ी केंद्र, शौचालय तथा हैंडपंप के आसपास पानी जमा नहीं होने देना चाहिए जिससे मच्छर न पनपें।
- आंगनवाड़ी केंद्र के किचन के अपशिष्ट जल का निस्तारण एक सोखने वाले गड्ढे या सब्जी के छोटे बाग/वाटिका तक नाली बनाकर सुरक्षित ढंग से किया जा सकता है।

3 स्वयं की सफाई

- बाल नियमित रूप से धोएं। रोज बालों में कंघी करें तथा जांच करें कि आपके बालों में जूं तो नहीं हैं।
- हर रोज सवेरे तथा सोने से पहले दांत साफ करें।
- रोज नहाएं तथा रोज कपड़े धोएं एवं बदलें।
- सुनिश्चित करें कि मल त्याग के बाद, खाने से पहले, बच्चे का मल साफ करने के बाद, किसी खुले घाव का उपचार करने से पहले, कूड़ा एवं अपशिष्ट आदि संभालने के बाद साबुन से हाथ धोएं। अपने नाखूनों को अच्छी तरह काटकर रखें।
- हाथों एवं कलाइयों के सभी भागों को रगड़कर व्यवस्थित ढंग से हाथ धोने चाहिए।
- चप्पल/जूते पहनें ताकि नंगे पांव का संपर्क संक्रमित मिट्टी से न हो।
- आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों के लिए सिंक तथा हाथ धोने की सुविधा उपयुक्त ऊंचाई पर होनी चाहिए तथा उनकी नियमित रूप से सफाई होनी चाहिए।

4 स्वच्छ भोजन

- भोजन तैयार करने एवं परोसने के लिए प्रयुक्त सभी बरतनों को उपयुक्त डिटर्जेंट का प्रयोग करके पानी से धोना चाहिए।
- गेहूँ एवं चावल जैसे अनाजों को टाट की हवाबंद बोरियों या कंटेनरों में रखना चाहिए।
- घर ले जाने वाले सूखे राशन/आहार को साफ रखना चाहिए तथा प्लास्टिक की शीट से ढककर नमी से बचाना चाहिए।
- खाद्य सामग्रियों को दीवारों से दूर रखने के लिए लकड़ी के पट्टे का प्रयोग करना चाहिए।
- नए स्टाक का प्रयोग करने से पूर्व पुराने स्टाक का प्रयोग करना चाहिए।
- खाद्य, तेल एवं पानी के भंडारण के लिए रासायनिक कंटेनरों का प्रयोग नहीं करना चाहिए।
- भोजन परोसने के लिए लंबी कलछुल का प्रयोग करना चाहिए।
- सुनिश्चित करें कि पकाने के लिए पदार्थों में मिलावट नहीं होनी चाहिए तथा उन पर रोगाणु न पड़े हों।
- रसोई क्षेत्र में किसी विषाक्त रसायन/कीटाणुनाशक का भंडारण नहीं होना चाहिए।

5 साफ पेय जल

- खाद्य पदार्थों की धुलाई के लिए प्रयुक्त पानी ऐसा होना चाहिए जो उनको दूषित न करे।
- जल भंडारण टंकी/बाल्टी की आवधिक आधार पर सफाई होनी चाहिए।
- सुरक्षित पेय जल उपलब्ध होना चाहिए तथा कंटेनर में रखना चाहिए। टोंटी वाले कंटेनर का प्रयोग करना चाहिए।
- कंटेनर से पानी निकालते समय हाथों को नहीं डुबोना चाहिए।
- यदि वाटर फिल्टर/प्यूरीफायर का प्रयोग होता है, तो सफाई के लिए निर्धारित अनुदेशों का पालन होना चाहिए।
- पीने एवं खाना पकाने से पूर्व प्रयोग के लिए पानी को उबलना पानी को शुद्ध/शोधित करने की सुरक्षित एवं सरल विधि है।

6 स्वच्छ शौचालय

- रोज सवेरे तथा बच्चों के जाने के बाद शौचालय की सफाई होनी चाहिए तथा हर समय उसे व्यवस्थित रखना चाहिए।
- शौचालय के निकट सुविधाजनक स्थल पर साबुन एवं पानी रखना चाहिए।
- शौचालय के लिए पानी की नियमित आपूर्ति होनी चाहिए।
- चेक करें कि कोई टोंटी रिस तो नहीं रही है।
- बच्चों के अनुकूल शौचालय को सर्वाधिक मुख्य सुविधा प्राप्त है।
- बच्चों के अनुकूल शौचालयों के लिए ध्यान देने वाली मुख्य बातों में निम्नलिखित शामिल हैं:
  - बच्चों के लिए निजता, दीवारों पर पालतू पशु–पक्षियों एवं जानवरों के सुंदर कार्टून, लड़कों एवं लड़कियों के लिए अलग शौचालय, शौचालय के अंदर सफाई एवं धुलाई की सुविधा।